प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

14.04.2026 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

अंबेडकर जयंती

देश आज भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। इस अवसर पर देश सहित प्रदेशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शिमला के चौड़ा मैदान स्थित डॉक्टर आम्बेदकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दे रहे है।

इस बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार करते हुए एक ऐसे संविधान का निर्माण किया जिसने आधुनिक भारत की मज़बूत नींव रखी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भी संविधान निर्माण में डॉक्टर आम्बेदकर के उल्लेखनीय योगदान को याद किया है।

मुख्यमंत्री–दौरा

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज से किन्नौर जिले के दो दिवसीय दौरे रहेंगे। इस दौरान वे शोंगटोंग–कड़छम जल विद्युत परियोजना और पवारी बैराज का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा रिकांगपिओ में वे जनप्रतिनिधियों और आम जनता से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे। मुख्यमंत्री कल्पा स्थित राजीव गांधी खेल परिसर सहित अन्य निर्माण कार्यों का जायजा भी लेंगे।

मुख्यमंत्री कल हिमाचल दिवस के अवसर पर रिकांगपिओ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अधिक व्यौरे के साथ हमारी किन्नौर जिला संवाददाता.....

जनजातीय जिला किन्नौर का जिला मुख्यालय रिकांग पिओ इस वर्ष राज्य स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह का गवाह बनने जा रहा है। इस बड़े आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर दी हैं। रिकांग पिओ के मिनी स्टेडियम में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। समारोह में राज्य स्तरीय परेड, विभिन्न सुरक्षा बलों की टुकड़ियां और 2से 3 जिलों के सांस्कृतिक दल रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा, विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करेंगे।
जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह आयोजन किन्नौर के लिए ऐतिहासिक और यादगार साबित होगा। वहीं, इस बड़े समारोह को लेकर स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

पीटीसी / सुमेश नेगी

प्राकृतिक खेती

मंडी जिला में प्राकृतिक खेती की ओर तेजी से रुझान बढ़ रहा है, जहां पिछले तीन वर्षों में तेईस हजार से अधिक नए किसान इससे जुड़े हैं वहीं जिले में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की संख्या अड़तालीस हजार से पार हो चुकी है। पिछले दो वर्षों में करीब अठहत्तर लाख रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

अधिक व्यौरे के साथ हमारे मंडी जिला संवाददाता.....39''

मंडी जिला में प्राकृतिक खेती की ओर तेजी से रुझान बढ़ रहा है, जहां पिछले तीन वर्षों में तेईस हजार से अधिक नए किसान इससे जुड़े हैं। अब जिले में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की संख्या अड़तालीस हजार से पार हो चुकी है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाते हुए गेहूं के लिए अस्सी रुपये प्रति किलो, मक्की के लिए पचास रुपये और हल्दी के लिए डेढ़ सौ रुपये प्रति किलो निर्धारित किया है, जबकि अदरक को पहली बार तीस रुपये प्रति किलो के समर्थन मूल्य में शामिल किया गया है। पिछले दो वर्षों में करीब अठहत्तर लाख रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। प्रशासन के अनुसार, जिले में छह प्रापण केंद्र स्थापित किए गए हैं और पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों को ढुलाई के लिए अतिरिक्त सहायता भी दी जा रही है। किसानों का कहना है कि इस पहल से उनकी आय में सुधार हुआ है और प्राकृतिक खेती के प्रति उनका विश्वास बढ़ा है।

बैसाखी

देश सहित प्रदेशभर में आज बैसाखी का त्योहार श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे की भावना के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है। वर्ष 1699 में आज ही के दिन सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जीवंत त्योहार कृतज्ञता, नवजीवन और आशा की भावना का प्रतीक है और उन किसानों की कड़ी मेहनत के प्रति सम्मान है जिनकी लगन से देश को भोजन मिलता है।

सूही मेला

चंबा का ऐतिहासिक तीन दिवसीय जिला स्तरीय सूही मेला कल श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने इस दौरान सूही मढ स्थित मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि व खुशहाली की कामना की। पठानिया ने इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि चंबा वासियों को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए रानी सुनयना ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनका यह अनुपम त्याग आज भी चंबा की आत्मा में जीवंत है और सूही मेला उसी पावन स्मृति को जन–जन से जोड़ने का सशक्त माध्यम बना हुआ है।

सूही माता ने जो बलिदान चंबा वासियों के लिए अपने उस कार्यकाल में दिया तो उसके उपलक्ष्य में सूही का मेला चंबा के ऐतिहासिक नगर में हर वर्ष हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है और चंबा नगर के लिए जो पानी की कमी थी उसके लिए उस समय के राजपरिवार से जो रानी साहिबा थी, माता सुनैना के नाम से उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी बलिदान दिया सेक्रिफायॅस किया उसके फलस्वरूप चंबा नगर को पानी प्राप्त हुआ।